कोलिंगवुड ने ... सिद्धान्त का समर्थन किया परन्तु
कार ने भी इतिहासवाद के सिद्धान्त का समर्थन नहीं करता जिसमें यह कहा गया कि
वह उस दृष्टिकोण समर्थन नहीं करता जिसमें यह कहा गया कि
उस प्रकार व्याख्या नहीं की जा सकती है जिस प्रकार वैज्ञानिकों ने
मानव विहीन विश्व की व्याख्या की है। इस प्रकार की व्याख्या
का सम्बन्ध ऐतिहासिक शक्तियों के यन्त्रवत व्यवहार से है।
लेकिन ऐतिहासिक तत्वों के सम्बन्ध में यह सत्य नहीं है। उसके अनुसार
मानव की भावना आत्म विकास हुआ है। विकरै तथा हर्डर ने भी उसके
कथन का समर्थन किया। वह विश्वास करता है कि जीवन और
वास्तविकता परिवर्तन की भावना के अतिरिक्त कुछ नहीं है।
वह अपने दृष्टिकोण के सन्दर्भ में यह भी कहता है कि वास्तविक
ज्ञान, प्रयोगात्मक ज्ञान के अतिरिक्त केवल इतिहास की जानकारी से
आता है। उसने वास्तविक ज्ञान की उपलब्धि पर बल दिया।
वह प्रकृति विरोधी व विज्ञान-विरोधी पहुँच का समर्थक था।
स्पेन्गलर उसके दर्शन से प्रभावित था और भी उसने यह
भी संकेत किया कि द्वैधता ही वास्तविकता थी। सम्पूर्ण विश्व
दो भागों विश्व प्रकृति के रूप और विश्व इतिहास के रूप में विभाजित
किया जा सकता है। अन्त में प्रकृति का किसी वस्तु का समुचित
ज्ञान ही इतिहासवाद और उसे समझना है। साथ ही यह भी आवश्यक
है हम उस भूमिका को जाने जिसे वह सभी क्षेत्रों में अभिनीत करता है
उपर्युक्त वर्णन के सम्बन्ध में डॉ० बी० अली शेख की राय को उनके
शब्दों को इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं कि "संक्षेप में इतिहास
दर्शन का तात्पर्य इतिहास में अर्थ की खोज करना, अनुभव के
आधार पर एकता के लिए याचना करना, ऐतिहासिक सशक्तियों
के महत्व की व्याख्या का प्रयास करना तथा सांस्कृतिक व ऐतिहासिक
अन्तरों का अध्ययन कर उत्थान व पतन के यन्त्र की संरचना
रचना को समझना है" प्रसिद्ध इतिहास डिल्थे ने भी संकेत किया
कि इतिहास का उद्देश्य आत्म प्रकाश है और सम्पूर्ण इतिहास
मन की अभिव्यक्ति होता है।
जर्मनी में इतिहास व समाजशास्त्र को समान रूप से देखा जाता है
माना जाता है क्योंकि दोनों के अध्ययन का विषय मनुष्य
मात्र है। इतिहास मानव का अध्ययन एक ऐतिहासिक प्राणी के